

ऋजुलेखा स्त्री. (तत्.) सीधी रेखा, ऋजु रेखा।

ऋण पुं. (तत्.) 1. बाणि. किसी दूसरे से कुछ समय के लिए लिया गया द्रव्य जिसे वापिस करना होता है, ब्याज पर लिया हुआ धन, उधार, कर्ज 2. गणि. शून्य से कम मान होने का प्रतीक। minus

ऋणकर्ता वि. (तत्.) ऋण करने या लेने वाला, कर्जदार, देनदार।

ऋणग्रस्त वि. (तत्.) कर्ज से लदा हुआ, कर्जदार।

ऋणत्रय वि. (तत्.) शास्त्रोक्त तीन प्रकार के ऋण (देवऋण, ऋषि ऋण, पितृ ऋण)।

ऋणदाता वि. (तत्.) ऋण प्रदान करने वाला, कर्ज देने वाला, लेनदार।

ऋणदायी वि. (तत्.) ऋण प्रदान करने वाला, ऋणदाता।

ऋणदास पुं. (तत्.) कर्ज न चुका पाने के कारण जो ऋणदाता का दास बना हो।

ऋणनिस्तारण पुं. (तत्.) ऋण का निपटान, ऋण चुकाना, कर्ज चुकाना, ऋण शुद्धि।

ऋणपक्ष पुं (तत्.) बाणि. बही-खातें आदि में दायीं ओर का वह हिस्सा जिसमें किसी को दी गई वस्तु आदि का विवरण और उसका मूल्य दिनांक के साथ लिखा जाता है। credit side

ऋणपत्र वि. (तत्.) गणि. लेन-देन के व्यवहार का वह पत्र जिस पर गवाहों के समक्ष ऋण लेने और देने की शर्तें लिखी रहती हैं, सरकारी या निजी क्षेत्र की कंपनी द्वारा पूँजी प्राप्त करने, बढ़ाने के उद्देश्य से प्राप्त ऋण के लिए जारी बंध-पत्र। bond/debenture

ऋणपूँजी स्त्री. (तत्.+तद्.) पूँजी का वह अंश जो ऋण लेकर लगाया जाता है और संबंधित संस्थान को अनिवार्य रूप से उसके सूद का भुगतान करना पड़ता है।

ऋण-प्रपत्र वि. (तत्.) लिखित दस्तावेज जो एक व्यक्ति या संस्था से दूसरे को पैसे के हस्तांतरण के आदेश देता है।

ऋणप्रबंधन पुं. (तत्.) सरकारी ऋण के सूद के भुगतान और परिपक्व हो रहे बंधपत्रों के पुनः वित्तीयन की व्यवस्था।

ऋणमुक्त वि. (तत्.) जिसने अपना ऋण चुका दिया हो, उऋण, देनदारी से मुक्त।

ऋणमुक्ति स्त्री (तत्.) ऋण चुकाना, ऋण शुद्धि, ऋण शोध, ऋण-शोधन।

ऋण मेला पुं. (तत्.) गणि./प्रशा. समाज के जरूरतमंद वर्गों विशेषतः किसानों और बेरोजगार युवकों को तत्काल ऋण स्वीकृत कराने के लिए आयोजित समारोह। loan mela

ऋणयक्ष पुं. (तत्.) हिसाब-किताब के खातों में दाहिनी ओर का वह पक्ष जिसमें दिए गए व्यक्ति का नाम, दिनांक और विवरण लिखा जाय। credit side

ऋणविद्युदणु (ऋण+विद्युत+अणु) पुं (तत्.) भौति. किसी परमाणु के मूलभूत कणों (इलेक्ट्रॉन+प्रोटॉन+न्यूट्रॉन) में से एक ऋणात्मक विद्युत कण। electron

ऋण-शुद्धि स्त्री (तत्.) कर्ज चुकाना, ऋण शोधन, ऋण मोचन, ऋण मुक्ति, ऋण की अदायगी।

ऋणशोध/ऋणशोधन पुं (तत्.) ऋणशुद्धि/ऋण मुक्ति, कर्ज चुकाना, ऋण का लौटाना।

ऋण सीमा स्त्री (तत्.) अर्थ. ऋण की कानूनी व्यवस्था, जिसमें सरकारों (केंद्र, राज्य या स्थानीय निकाय) द्वारा ऋण देने की अधिकतम सीमा निर्धारित की जाती है।

ऋण-स्थगन वि. (तत्.) अर्थ/प्रशा. कर्ज लेने वाले की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए देनदार का इस बात के लिए सहमत हो जाना कि यदि कर्जदार कुछ समय तक कर्ज की अदायगी नहीं कर पाता तो उसे आपत्ति नहीं होगी।

ऋणांतक पुं. (तत्.) ऋण से मुक्ति दिलाने वाला मंगल ग्रह, ऋण का अंत करने वाला।